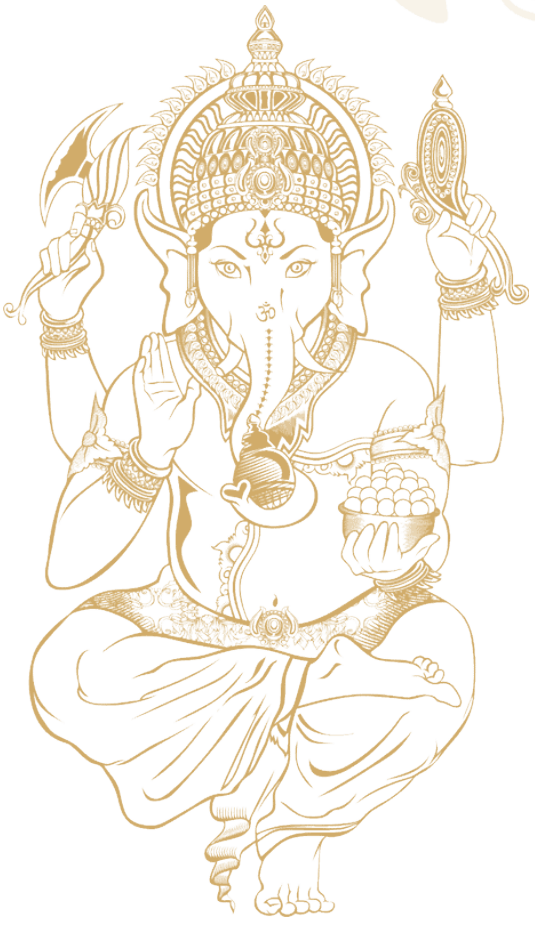

Abhishek Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121409505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/07/1989	जन्म तिथि	13/06/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:40:00	जन्म समय	09:50:00 घंटे
घटी 57:56:49	जन्म समय(घटी)	11:07:54 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:16	सूर्योदय	05:22:50
19:22:22	सूर्यास्त	19:19:21
23:42:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 1मा 7दि	10:12:34	मिथु	लग्न	कर्क	25:27:41	बुध 2वर्ष 5मा 8दि
राहु	22:04:31	मिथु	सूर्य	वृष	27:55:16	सूर्य
14/08/2024	18:35:52	सिंह	चंद्र	वृश्चि	28:05:09	20/11/2024
15/08/2042	19:36:14	कर्क	मंगल	सिंह	15:07:02	21/11/2030
राहु 27/04/2027	10:04:07	मिथु	बुध व	वृष	16:37:30	सूर्य 10/03/2025
गुरु 20/09/2029	01:20:24	मिथु	गुरु व	वृश्चि	15:15:02	चन्द्र 08/09/2025
शनि 27/07/2032	16:48:33	कर्क	शुक्र	वृष	09:14:49	मंगल 14/01/2026
बुध 13/02/2035	16:30:29	धनु व	शनि	मीन	00:30:35	राहु 09/12/2026
केतु 03/03/2036	02:41:40	कुंभ	राहु व	तुला	10:52:55	गुरु 27/09/2027
शुक्र 04/03/2039	02:41:40	सिंह	केतु व	मेष	10:52:55	शनि 08/09/2028
सूर्य 26/01/2040	09:06:18	धनु व	हर्ष व	मक	06:05:31	बुध 16/07/2029
चन्द्र 27/07/2041	17:09:11	धनु व	नेप व	मक	01:13:16	केतु 20/11/2029
मंगल 15/08/2042	18:43:01	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	04:48:20	शुक्र 21/11/2030

लग्न-चलित

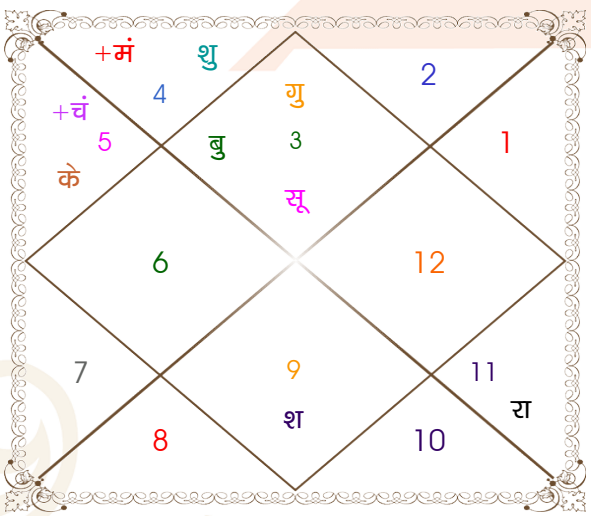

लग्न-चलित

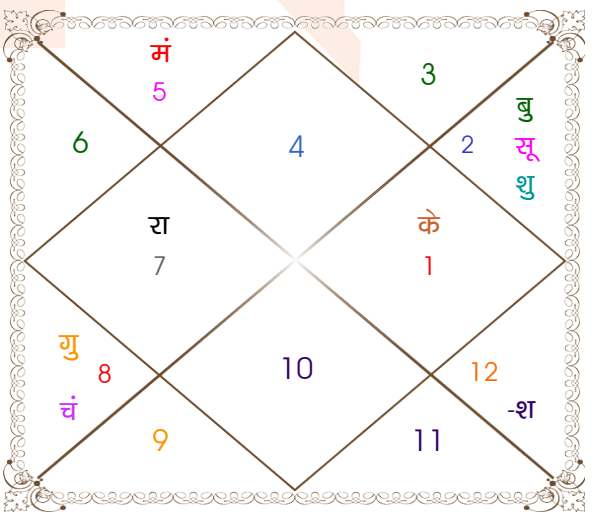

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ीपीमा का वर्ग श्वान है तथा Pooja का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीपीमा और Pooja का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीपीमा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Pooja मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ीपीमा तथा Pooja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।